डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 33 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 10 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

घर में घुस बदमाश ने महिला की आंखों में मिर्ची डाली, पड़ोसी पहुंचे तो भाग निकला बदमाश

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। वेदांत विहार में केबल ठीक करने के बहाने एक बदमाश घर में घुसा। इसके बाद महिला की आंखों में मिर्ची डाल दी। महिला चिल्लाई तो पड़ोसी वहां आ गए। तब तक बदमाश भाग चुका था। जाते-जाते बदमाश वेदांत विहार में नाले के किनारे उगी झाड़ियों में एक झोला छुपा गया। जिसमें से पुलिस ने मिर्च पावडर और लोहे का धारदार हथियार बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार यह वारदात वेदांत विहार में सीता देवी गुप्ता के साथ हुई। घटना के समय सीता देवी घर पर अकेली थी। इसी दौरान एक व्यक्ति अपने आपको केबल ऑपरेटर बताकर घर में घुसा। इसके बाद छत पर गया। बाद में महिला को बातों.... **शेष पेज 4 पर**

नेताओं पर भारी पड़ता 'नोटा'

प्रमुख दलों के प्रत्याशियों के अलावा सब हारे नोटा से

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नन ऑफ द अबॅव मतलब नोटा के नाम से मतदाताओं को 'कोई नहीं' का बटन दबाने का अधिकार मिला। यह अधिकार चुनाव मैदान में किस्मत आजमा रहे नेताओं के लिए भारी पड़ रहा है। क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के इरादे से उतरने वाले दोनों प्रमुख दलों के उम्मीदवारो को छोड़कर लगभग सभी प्रत्याशी तो नोटा के बराबर भी लोगों के मत संग्रह नहीं कर पाते हैं। यह आंक ड़ा पिछली बार का है। लगभग यहीं स्थिति नोटा की शुरुआत से ही हो रही है। मंदसौर जिले की चारों विस सीटों पर नजर डाले तो कुल 31 उम्मीद्वार मैदान में है। पिछले विस चुनाव में सुवासरा में ओमसिंह भाटी को छोड़ दिया जाए तो भाजपा और कांग्रेस के अलावा कोई भी प्रत्याशी नोटा से नहीं जीत पाया।

नोटा, यानी नेताओं से नफरत का इजहार...

पिछले चुनाव में ब्यावरा सीट पर कांग्रेस व भाजपा में कांटे की टक्कर रही। इस दौरान कांग्रेस ने यह नजदीकी मुकाबला महज 350 वोटों के अंतराल से जीता। वहीं इस सीट पर नोटा ने 2976 वोट हासिल किए। गरोठ में भी हार का अंतर था 2 हजार 108 और यहां नोटा को 2474 वोट गए थे।

एक फीसदी से अधिक को नहीं भाते नेताजी...

आयोग ने मतदाताओं को चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों में से किसी को भी न चुनने का अधिकार 2013 के विधानसभा चुनाव में दिया था। इसके अंतर्गत नोटा में पड़ने वाले वोट एक तरह से चुनाव लड़ने वालों को नापसंद करने वाले वोटर्स की संख्या भी माना जा सकता है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो एक प्रतिशत से ज्यादा वोटरों को कोई भी नेताजी पसंद नहीं आते।

जनता को राष्ट्रीय दलों पर ज्यादा भरोसा...

इन जिलों में मतदाताओं ने राष्ट्रीय दलों पर ही भरोसा दिखाया। कांग्रेस व भाजपा के बाद कुछ हद तक बसपा ने भी जन समर्थन बटोरा। लेकिन, कोई खास सफलता हाथ नहीं आई। 2018 के चुनाव परिणामों के अनुसार इन दलों से हटकर नोटा का प्रभाव अन्य प्रत्याशियों से अधिक देखने को मिला।

यह रही स्थिति 2018 में ...

मंदसौर विस– यहां भाजपा प्रत्याशी यशपालसिंह सिसौदिया और कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में नरेंद्र नाहटा आमने-सामने थे। यहां हार का अतर था 18 हजार 370 रहा। यहां कुल प्रत्याशी 8 थे तो नोटा को 1815 वोट गए। दोनों प्रमुख दलों के अलावा इससे ज्यादा वोट किसी को नहीं मिले।

सुवासरा विस– यहां भाजपा प्रत्याशी राधेश्याम पाटीदार और कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में हरदीपसिंह डंग आमने-सामने थे। यहां हार का अतर था 350 वोट। यहां कुल प्रत्याशी 10 थे तो नोटा को 2976 वोट गए। दोनों प्रमुख दलों के अलावा ओमसिंह भाटी को दस हजार से ज्यादा मत मिले। बाकी नोटा से नहीं जीत सके।

मल्हारगढ़ विस– यहां भाजपा प्रत्याशी जगदीश देवड़ा और कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में परशुराम सिसौदिया आमने-सामने थे। यहां हार का अतर था 11 हजार 872 वोट। यहां कुल प्रत्याशी 9 थे तो नोटा को 1848 वोट गए। दोनों प्रमुख दलों के अलावा इससे ज्यादा वोट किसी को नहीं मिले।

गरोठ विस– यहां भाजपा प्रत्याशी देवीलाल धाकड़ और कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में सुभाष सोजतिया आमने-सामने थे। यहां हार का अतर था 2 हजार 108 वोट। यहां कुल प्रत्याशी 11 थे तो नोटा को 2474 वोट गए। दोनों प्रमुख दलों के अलावा इससे ज्यादा वोट किसी को नहीं मिले।

दो बदमाश जिलाबदर

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा म.प्र.राज्य लोक शांति एवं सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत दो आदतन अपराधी नागूसिंह पिता गजराजसिंह उर्फ मन्ना राजपूत निवासी दीनखेडा थाना सीतामऊ एवं अख्तर शाह उर्फ भूरा पिता शेर मोहम्मद शाह निवासी कोर्ट परिसर के पीछे मर्दानदीन मोहल्ला मंदसौर थाना शहर कोतवाली जिला मंदसौर को जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने आदेशित किया है, कि ये जिला बदर अवधि में मंदसौर जिले की राजस्व सीमा के साथ ही नीमच, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा एवं शाजापुर जिले की राजस्व सीमा में बगैर अनुमति के प्रवेश नहीं कर सकेगा।

जुमले बाज नेताओं के जमाने में नैतिकता की बात करने वाले विलुप्त हो गए...

मंदसौर/उज्जैन, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वालों का नैतिक आचरण लगातार निम्नतर होता जा रहा है। पहले देश प्रदेश के विकास और जनता की मूल सुविधाओं के वायदे किए जाकर वोट मांगे जाते थे, तब दलों के नेताओं पर भरोसा कर जनता वोट देती थी। सरकार बनने पर दलों के नेताओं को भी जिम्मेदारी निभाना पड़ती थी। ऐसा दौर बहुत तेजी से निकल गया। फिर दौर आया वादे बहुत बड़े कर देना और काम छोटा करना, जनमत को लुभाने के लिए लालच देना। अब यह सब चुनावी तरीके बहुत पुराने और बेकार हो गए हैं। अब तो बड़े दलों के नेताओ ने ही नैतिक मर्यादा ताक में रख जूमलों के सहारे लोकतंत्र का चुनाव लड़ना शुरूकर दिया है। जुमले की परिभाषा भी इन्हीं नेताओं ने स्पष्टबताई, वादा नहीं सफेद झूठ था, सभी को मालूम था। हमने जुमला सुनाया था फिर भी जनता ने वोट दिए थे !

चन्द्रमोहन भगत

जब जुमलेबाजी करने से ही सरकार बनने लगी तो फिर दूसरे दल के नेता कैसे पीछे रहते। सभी दलों के विशेषज्ञ एक से बढ़कर एक जुमले चुनाव के लिए तैयार करने लगे। अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में राज्य स्तरीय जुमले चल रहे हैं। अगले साल 2024 में लोकसभा चुनाव होंगे, तब राष्ट्रीय स्तर के जूमलों का उपयोग कर प्रचारित किया जाएगा। अब ऐसा ही राजनीतिक दौर चलेगा, जब तक इस पर खुद राजनीतिक दल और कानून या फिर जनमत का विरोध अंकुश ना लगा दे। याद करिए वह समय जब पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने रेल मंत्री रहते एक दुर्घटना होने पर इस्तीफा दे दिया था। हवाला कांड में नाम आने पर लालकृष्ण आडवाणी ने जब तक जांच न हो जाए चुनाव लड़ने और पद लेने से इनकार कर दिया था। अटल बिहारी वाजपेई ने भरे सदन में कह दिया था मेरे पर कोई सा भी आरोप सिद्ध हो जाए तो राजनीति करना छोड़ दूंगा। मध्य प्रदेश में श्याम सुंदर पाटीदार उदाहरण है, जिन्होंने भोपाल गैस कांड के बाद मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

ऐसे नैतिक बल वाले नेता देशवासियों को मिलना अब दुर्लभ संयोग हो गया है। क्योंकि जिस तरह से नेताओं का नैतिक बल घटियाता गया, वैसे ही जनता का चयन भी ! इसके भी स्पष्ट उदाहरण है। देश भर में कभी केंद्रीय दूरसंचार मंत्री स्वर्गीय सुखराम अकूत संपत्ति रखने के भ्रष्टचार में जैल रह आए थे और बाद में विधानसभा चुनाव भी जीते थे। स्पष्ट है कि जनमत की नैतिकता मे भी नेताओं के अनुपात में ही गिरावट आ चुकी है। और भी बहुत से उदाहरण है, असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा, कर्नाटक के डी शिवकुमार, महाराष्ट्र के अजीत पवार, सुनील तटकरे, छगन भुजबल, हसन मुशरिफ इनमें से छगन भुजबल तो 2 साल से अधिक समय जैल में रह चुके हैं। देश भर के अनेक राज्यों में ऐसे दागी नेताओं की संख्या और सरकारों में सहभागिता बढती ही जा रही है। जाहिर है बगैर जनमत के तो यह सब हो ही नहीं सकता है।

देश के प्रबुद्ध नागरिकों के लिए यह चिंता का विषय भी है। इन्हीं में से अनेक इसमें सुधार देखने तो चाहते हैं। लेकिन, जमीन पर उतरकर जनमत में जागरूकता लाने का मिशन चलाने को कोई तैयार नहीं है। बड़े-बड़े सभागारों में बौद्धिक प्रवचन हो रहे हैं। कार्यशालाएं भी आयोजित हो रही है। पर, इससे सुदूर गांव तो क्या शहरों की झुग्गी बस्ती के मतदाता भी प्रभावित नहीं हो पा रहे हैं। क्योंकि सरकारों की ही नीतियों के कारण एक समय या एक दिन की परिवार की आपूर्ति करके इनको वोट आसानी से मिल जाते हैं! कारण यह तबका इतना मजबूर होता हैं कि एक दिन, एक सप्ताह, एक महीने के राशन के बदले ही अपने अमूल्य मत का सौदा कर डालते हैं। उनके लिए यह फायदे का सौदा होता होगा? अब तो कोई क्रांति ही इस घिनौने सिस्टम को बदल सकती है और इसके लिए किसी क्रांतिकारी व्यक्तित्व को अवतार लेना पड़ेगा।

मौसम: सर्दी-खांसी और वायरल में बढोतरी

बच्चे हो रहे शिकार, हवा में बढ़ रहे प्रदूषण से फैल रही बीमारियां

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बच्चों में इन दिनो बुखार, सर्दी, खांसी, जुकाम, उल्टी, दस्त और स्किन एलर्जी की शिकायत हो रही है। अस्पतालों की ओपीडी में भी बच्चों की कतारें लग रही हैं। शहर के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराने पहुंच रहे बच्चों में 70प्रश से ज्यादा निमोनिया और वायरल फीवर से पीड़ित हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि जितने बच्चे इलाज के लिए आ रहे हैं, उनमें से करीब 10 प्रतिशत बच्चों को ही भर्ती करने की जरूरत पड़ रही है।

रिपीट होता वायरल...

डाक्टरो के अनुसार बच्चों को वायरल, निमोनिया और डायरिया के साथ ही सांस लेने में दिक्कतें भी हैं। इसकी वजह मौसम में ड्राइनेस, ठंडक, हवा में धूल और सूक्ष्म कणों की मौजूदगी बढ़ना है। जो बच्चे आ रहे हैं, उनमें से 70

प्रतिशत को यही परेशानियां हैं। परेशानी यह भी है कि कुछ बच्चों में वायरल एक बार ठीक होने के बाद रिपीट भी हो रहा है। हालांकि, हफ्तेभर में सभी बच्चे रिकवर हो रहे हैं।

अस्थमा जैसी परेशानियां भी बढ़ रही...

शिशु रोग चिकित्सकों के अनुसार वर्तमान में आ रहे अधिकांश बच्चों में निमोनिया, वायरल और अस्थमा जैसी समस्याएं हैं। इनमें भी अधिकांश बच्चों को सर्दी, जुकाम और खांसी है। घरों में साफ-सफाई का दौर चालू है। शहर में सड़कों का निर्माण और में टेनेंस भी हो रहा है, इस कारण धूल उड़ना है। बच्चों में अस्थमा और एलर्जी जैसी परेशानियां भी बढी हैं। भर्ती होने वाले अधिकांश मरीज इन्हीं परेशानियों के हैं।

निमोनिया और वायरल फीवर ज्यादा...

अस्पतालों में 70 प्रतिशत बच्चे निमोनिया और वायरल फीवर वाले पहुंच रहे हैं। कुछ बच्चों में हाईग्रेड फीवर और तेज खांसी भी है। इन्हीं में से कुछ को भर्ती करना पड़ता है। हालांकि, अधिकांश बच्चे बिना किसी गंभीर कॉम्प्लीकेशन के ही रिकवर हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से रैफर होकर आने वाले बच्चों में से कुछ को ही वेंटीलेटर की जरूरत पड़ रही है।

यह करें पालक...

अभी बच्चों में ड्राय वेदर एलर्जी ज्यादा देखने को मिल रही है। हवा सूखी है, इस कारण बच्चों की स्किन में सूखापन, स्किन एलर्जी, फुंसियां होना, खुजली, सर्दी, जुकाम, खांसी हो रही है। लेकिन, दूसरी कोई मेजर परेशानियां नहीं हैं। ऐसे में बच्चों को 15-20 मिनट की सनसाईट, साफ हवा जरूर दें। साथ ही धूल, धुआं आदि से बचाएं। हाईग्रेड फीवर और पसली चलने जैसी स्थिति में डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

चार लोगों को थाना उपस्थिति के आदेश

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 03 (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चार व्यक्तियों को संबंधित थाने में उपस्थिति देने का आदेश जारी किया।

इनमें राहुल पिता लक्ष्मीनारायण पाटीदार निवासी रावटी, रणजीतसिंह पिता जसवंतसिंह शक्तावत निवासी मुंदेडी, पर्वत पिता मोतीलाल मीणा निवासी पिपल्या राजा एवं राघुलाल पिता मांगीलाल मेहर निवासी नई आबादी सुवासरा शामिल है। कलेक्टर श्री यादव ने आदेशित किया है, कि ये तीन माह तक प्रति माह की ..... **शेष पेज 4 पर**

विचार-मंथन

दिल्ली में बढ़ता जा रहा है प्रदूषण...

अफसोस की बात यह भी है कि वायु प्रदूषण से जिस तरह खतरे पैदा होते हैं, उसके भुक्तभोगी आम लोग होते हैं, मगर जब तक सरकार कोई सख्त नियम नहीं लागू करती, तब तक अपनी ओर से लोग वैसा सुनिश्चित करने की कोशिश शायद ही करते हैं। ऐसे समय में आपात स्थिति को छोड़ कर निजी वाहनों का सीमित प्रयोग करना और सार्वजनिक वाहनों से सफर करने को तरजीह देना क्यों संभव नहीं है? तमाम आशंकाएं और अनुमान सामने होने के बावजूद दिल्ली की हवा ऐसी हो चुकी है जिसे बेहद घातक स्तर तक खतरनाक कहा जा सकता है। मुश्किल यह है कि न सरकार स्थिति के पूरी तरह बिगड़ने तक सक्रिय होती है, न आम लोग प्रदूषण के कारणों को दूर करने में सहयोग देना चाहते हैं। यही वजह है कि पिछले तीन-चार दिनों से स्थिति बिगड़ती चली जाने के बाद सोमवार को दिल्ली सरकार ने वाहनों के लिए सम-विषम व्यवस्था लागू करने की घोषणा की। इसके तहत फिलहाल तेरह से बीस नवंबर तक दिल्ली में यह पाबंदी लागू रहेगी। हवा में घुलते जहर के असर को कम करने के लिए पिछले दिनों उठाए गए बड़े कदमों के क्रम में यह दूसरा फैसला है। गौरतलब है कि दिल्ली में प्राथमिक स्कूलों को दस नवंबर तक बंद रखने की घोषणा की गई है। इसके अलावा, राजधानी में इस समस्या के मद्देनजर ग्रैप-4 की पाबंदियां पहले से ही लागू हैं। हर साल ठंड की शुरुआत में हवा के घनीभूत होने के साथ ही पीएम-5 और अन्य घातक सूक्ष्म कणों के असर से जनजीवन बाधित होने लगता है। मगर मुश्किल यह है कि कारण और परिणाम के बारे में लगभग सब साफ होने के बावजूद सरकार तब कोई बड़ा फैसला करती है, जब मामला हाथ से निकलने लगता है। सम-विषम व्यवस्था के बाद दिल्ली की सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों की संख्या में कमी आएगी और उनकी वजह से हवा में घुलने वाले प्रदूषण में कमी आने की उम्मीद की जा सकती है। सवाल है कि प्रदूषण में बढ़ोतरी पर काबू पाने के मामले में अगर सम-विषम सहित अन्य उपायों को इतना ही कारगर माना जाता है तो इन्हें समय रहते चरणबद्ध तरीके से लागू क्यों नहीं किया जाता? क्या ऐसा संभव नहीं है कि इस मौसम में प्रदूषण की आम तस्वीर के संकट में तब्दील होने से पहले हवा में खतरनाक तत्त्व घोलने वाले कारकों पर लगाम लगाने के साथ-साथ आम लोगों के बीच भी जागरूकता अभियान चलाया जाए, उन्हें भी बताया जाए कि इस समस्या से लड़ने में उनकी भी कुछ जिम्मेदारी है? यों भी तापमान में कमी के साथ अगर हवा में ठहराव की स्थिति बनती है, तो धूल और धुआं के अलावा अन्य तत्त्व मिल कर वायु प्रदूषण की समस्या को जटिल बना देते हैं। इसकी वजह से वायु की गुणवत्ता खराब हो जाती है। पिछले महीने के आखिरी दिनों में वायु गुणवत्ता सूचकांक में दिल्ली की तस्वीर बिगड़नी शुरू हुई थी और तब से यह कमोबेश 'बहुत खराब' की श्रेणी में ही है। अब सम-विषम व्यवस्था के अलावा ग्रैप-4 लागू होने के बाद स्थिति में सुधार की संभावना है, लेकिन जब तक इस समस्या का दीर्घकालिक समाधान नहीं निकाला जाएगा, तब तक हर साल इसी तरह तात्कालिक उपायों के जरिए संकट को संभालने की कोशिश करनी पड़ेगी। अफसोस की बात यह भी है कि वायु प्रदूषण से जिस तरह खतरे पैदा होते हैं, उसके भुक्तभोगी आम लोग होते हैं, मगर जब तक सरकार कोई सख्त नियम नहीं लागू करती, तब तक अपनी ओर से लोग वैसा सुनिश्चित करने की कोशिश शायद ही करते हैं। ऐसे समय में आपात स्थिति को छोड़ कर निजी वाहनों का सीमित प्रयोग करना और सार्वजनिक वाहनों से सफर करने को तरजीह देना क्यों संभव नहीं है? फिलहाल दिल्ली के हालात जैसे दिख रहे हैं, उसमें सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी बनती है, पर इसे संभालने में आम लोगों को भी अपना दायित्व समझना होगा।

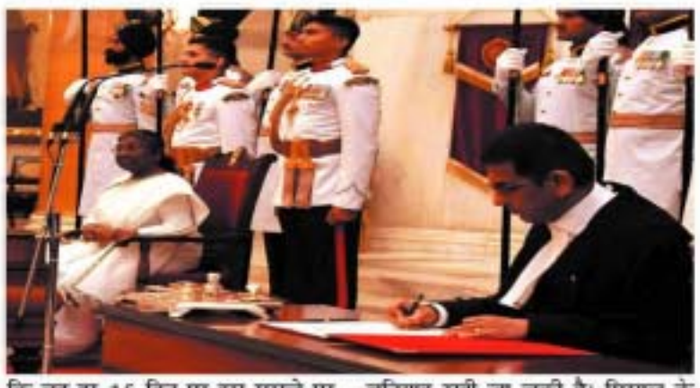

न्यायिक सक्रियता से क्या टकराव बढ़ेगा?

अजीत द्विवेदी

न्यायपालिका और विधायिका के बीच टकराव का क्या नया दौर शुरू होने जा रहा है? देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में कहा है कि विधायिका चाहे तो नए कानून बना सकती है लेकिन वह अदालत के किसी फैसले को सीधे खारिज नहीं कर सकती है। यह उनका अपना आकलन नहीं है, बल्कि संवैधानिक स्थिति है, जिसका जिक्र करके उन्होंने स्थिति स्पष्ट की। इस बयान को एक के बाद एक हो रही घटनाओं के साथ मिला कर देखें तो समझ में आता है कि आने वाला समय टकराव का हो सकता है। एक के बाद एक अनेक ऐसे मुद्दे सुप्रीम कोर्ट के सामने पहुंच रहे हैं, जिनमें संविधान का सवाल शामिल है। संभवतः तभी चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कुछ समय पहले कहा था कि वे सात सदस्यों की एक स्थायी संविधान पीठ गठित करने पर विचार कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो इसका मतलब होगा कि टकराव नहीं भी हो तो विधायिका और न्यायपालिका में स्थायी तनाव बना रहेगा। वैसे अभी तक देश की उच्च न्यायपालिका और सरकार के बीच एक मुद्दे को छोड़ कर टकराव की स्थिति नहीं बनी है। टकराव का एकमात्र मुद्दा जजों की नियुक्ति का है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम की ओर से भेजी गई सिफारिशों को सरकार आंख मूंद कर स्वीकार नहीं कर रही है। इस पर कई जज आपत्ति कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने पिछले दिनों कहा कि वह हर 15 दिन पर इस मसले पर सुनवाई करेगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि सरकार कॉलेजियम की ओर से भेजे गए नामों को एक बार में मंजूरी नहीं दे रही है, जिससे जजों की वरिष्ठता प्रभावित हो रही है। कॉलेजियम की ओर से भेजी गई दर्जनों सिफारिशें सरकार के पास लंबित रहती हैं। सो, जजों की नियुक्ति के एक मामले को छोड़ दें तो सरकार और न्यायपालिका में टकराव नहीं हुआ है। अदालतें सुनवाई के दौरान सख्त टिप्पणी करती हैं लेकिन फैसला उस टिप्पणी के अनुरूप नहीं करती हैं। कई बार टिप्पणी के बिल्कुल विपरीत फैसला होता है। टिप्पणियों से लगता है कि अदालत बहुत नाराज है और सरकार के खिलाफ फैसला आएगा लेकिन ऐसा नहीं होता है। परंतु आने वाले दिनों में यह स्थिति बदल सकती है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का एक साल का अगला कार्यकाल टकराव वाला हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के कुछ फैसलों से इसकी बुनियाद रखी जा चुकी है। मिसाल के तौर पर एक फैसला महाराष्ट्र के स्पीकर को विधायकों की अयोग्यता के बारे में फैसला करने की टाइमलाइन देने का है। केंद्र और राज्य सरकार के विरोध के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर राहुल नार्वेकर को कहा कि वे शिव सेना विधायकों की अयोग्यता पर 31 दिसंबर तक और एनसीपी विधायकों की अयोग्यता पर 31 जनवरी तक अंतिम फैसला करें। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कई बार स्पीकर की निष्क्रियता को लेकर टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि वे अनिश्चितकाल तक मामले को लंबित नहीं रख सकते। लेकिन स्पीकर ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उलटे उन्होंने कहा कि वे फैसले में न देरी करेंगे और न जल्दबाजी करेंगे क्योंकि जल्दबाजी करने से अन्याय होने की संभावना बढ़ जाती है। उनके इस रवैए को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित कर दिया। इस मामले में सरकार ने कहा था कि इससे पीठासीन अधिकारियों को टाइमलाइन देने की गलत परम्परा शुरू होगी और हाई कोर्ट भी इस तरह के आदेश देने लगेंगे। इसके अलावा दो और मामले थे, जिनमें लगा था कि अदालत का टकराव सरकार के साथ बढ़ सकता है, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले से इस स्थिति को टाल दिया। पहला मामला दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत का था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के कामकाज को लेकर बहुत सख्त टिप्पणी की थी। अदालत ने यहां तक कहा था कि एजेंसी सबूत ले आए नहीं तो केस दो मिनट नहीं टिकेगा। हालांकि बाद में अदालत ने सिसोदिया को जमानत नहीं दी। इसी तरह दूसरा मामला आप के ही दूसरे नेता राघव चड्ढा का था। उनको राज्यसभा से निलंबित किए जाने पर अदालत ने बहुत सख्त टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस तरह से सदस्यों को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करना चिंताजनक है। तब लगा था कि शायद अदालत संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों को लेकर कोई आदेश पारित कर सकती है। लेकिन अंत में अदालत ने चड्ढा को कहा कि वे राज्यसभा के सभापति से बिना शर्त माफी मांग कर मामले को खत्म करें। साथ ही सभापति को भी अदालत ने कहा कि अगर चड्ढा बिना शर्त माफी मांगते हैं तो वे सहानुभूतिपूर्वक इस पर विचार करें। इन दो-तीन मामलों के बाद अब जो मामले सर्वोच्च अदालत के सामने लम्बित हैं और एक के बाद जिस तरह के मामले अदालत के सामने पहुंच रहे हैं उसे देखते हुए लग रहा है कि आने वाले दिनों में टकराव का नया दौर शुरू हो सकता है। इन मामलों में चुनावी बॉन्ड का मामला है, जिस पर सुनवाई पूरी करके अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में भी सुनवाई के दौरान अदालत की टिप्पणी बहुत सख्त थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मानने में बहुत मुश्किल है कि नागरिकों को चंदे का स्रोत जानने का हक नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में चुनिंदा गोपनीयता है यानी सत्तापक्ष को स्रोत का पता है, जबकि विपक्ष को नहीं पता है। इस मामले में अदालत का फैसला बहुत अहम होगा। इसी तरह प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के अधिकारों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई भी अहम होगी। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अपने ही फैसले के कुछ पहलुओं की समीक्षा करने वाली है। इसके अलावा विपक्ष के नेता जिस रफ्तार से सुप्रीम कोर्ट की दौड़ लगा रहे हैं उससे भी टकराव की संभावना पैदा हो रही है। हाल के दिनों में तीन राज्य सरकारों ने अदालत का रुख किया है। पंजाब सरकार इस बात को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है कि राज्यपाल ने विधानसभा सत्र में पेश करने के लिए भेजे गए विधेयकों को मंजूरी नहीं दी। हालांकि पंजाब सरकार के अदालत में जाने और उस पर सुनवाई से पहले राज्यपाल ने दो धन विधेयकों को मंजूरी दे दी।

पूरी दुनिया में चल रही बदलाव की आंधी

कृष्ण कुमार रत्तू

इन दिनों बदलते हुए परिवेश में जिस तरह से जिंदगी जीने के ख्वाब और सोच को हमने अपने आसपास अपनाया हुआ है, क्या वह जिंदगी की मूलभूत जीने की समय सारणी में कहीं दिखाई देती है? इन दिनों जल, जीवन, जंगल, हवा और पहाड़ हमसे दूर हो रहे हैं। कंक्रीट के नए शहरों ने हमारी जिंदगी के उन पहलुओं को हमारी प्राकृतिक संस्कृति से बिल्कुल अलग कर दिया है, जिसमें भारतीय जीवन अपनी जीवंतता के साथ रचता बसता था। यह समय का अद्भुत कालखंड है और यह पूरी दुनिया में बदलाव की आंधी की चकाचौंध है, जिसने नई सूचना प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के संजाल की इस परिक्रमा ने हमारी पूरी नस्ल को बदल दिया है। अब हमारी आने वाली नस्लें इंटरनेट की नस्लें हैं और उन्हें चौबीसों घंटे इंटरनेट की दुनिया के साथ और मोबाइल के स्क्रीन के साथ जिंदगी जीने और इस भौतिकवादी 'पैकेज' की दुनिया में जिस तरह से उलझाया गया है, वह अपने आप में कम संताप नहीं है। अनुमान और आकलन बताते हैं कि सन 2050 में पूरे विश्व में अगली पीढ़ी के जो चेहरे हम देखेंगे, उनके दिलोदिमाग में प्रकृति के बारे में वह सोच नहीं होगी, जो रही है। आज विकासशील देशों में और अफ्रीकी, दक्षिण एशियाई देशों में अगर भारत की बात करें तो हम उन देशों में शामिल हैं, जहां जंगल बेतहाशा से कट रहे हैं और तेजी से हमारे हिमालयी क्षेत्र के हिमनद जल में तब्दील हो रहे हैं। इसके लिए दोष किसी का है तो वह हमारी अपनी मानसिकता का है कि हम प्रकृति के साथ खिलवाड़ पर आमादा हो गए हैं और इसके बारे में कभी सोचते नहीं हैं। जिस सांस लेने की हवा की अब महानगरों में हम बात करते हैं, वह इस स्थिति में पहुंच गई है कि अब सांस लेने की दिक्कत आने लगी है। इधर जल, धरती और जंगल की बात जिस तरह से हमने घोर उदासीनता के साथ नष्ट करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी, वह चौंकाती है कि एक तरफ हम विश्वगुरु बनने की ओर बढ़ने का दावा कर रहे हैं, दूसरी तरफ हमने अपने प्राकृतिक स्रोतों के साथ यह खिलवाड़ किया है। खुले आकाश में जीने की परिकल्पना और खुली हवा में सांस लेने का दृश्य कहां है? अभी आने वाले दिनों में जब दिवाली के मौसम में यह पर्यावरण को धुएं और जहरीली गैसों की मार पड़ेगी, उसका अनुभव बहुत सारे लोगों को होगा। इस समय हवा के जहरीली होने के कारण होने वाली सांस की बीमारियां हैं। विमानपत्तन पर ऐसी धुंध होती है कि हवाई जहाज भी विशेष प्रणाली के जरिए उतारने की नौबत आ जाए। यह हाल है हमारा त्योहारों के इस मौसम में। जिस तरह से हमने धुएं के साथ जहरीली गैसों के इस वातावरण का निर्माण किया है वह पर्यावरणीय मापदंडों पर आदमी को जिंदा रखने के लिए बिल्कुल सुरक्षित नहीं है। विज्ञान ने जहां इतनी तरक्की की है कि इसने हमारी नई सूचना संचार की नई प्रौद्योगिकी के साथ रोबोट से लेकर आभासी दुनिया तक को हमारे सामने रख दिया है। हम अंतरिक्ष अभियानों की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन क्या यह सोचा है कि कूड़े के अंबार में लिपटे हुए हमारे शहर और गंदगी से पटे हुए नदी-नालों के साथ-साथ हमारे लिए हवा और पहाड़ों के गिरने और उनके ध्वस्त होने का सिलसिला कितनी देर तक हमारे सांसों को जिंदा रख सकता है? यह जीवन और इसकी उम्मीदें खत्म होती जा रही हैं और पर्यावरणीय मुद्दों से हम जिस तरह से विमुख होकर एक नई दुनिया में गुम हैं, जिसमें पंचतारा संस्कृति भोजन की नई प्रणाली और वातानुकूलन का बेहद इस्तेमाल है। यह हमारी जिंदगी की नवीनता और आगे बढ़ने की तरक्की का एक जरिया हो सकता है, लेकिन क्या हमने सोचा है कि यह पर्यावरणीय समस्याओं को आने वाली पीढ़ियों के लिए कड़वी होती धरती सौंपेगा? गैसों से धुंधला, मैला होता आकाश क्योंकि हम जिंदा रहे तो देश है, समाज है और अगर हमने पर्यावरण के मुद्दों पर सोचने-समझने का तरीका नहीं बदला और गांव की सौंधी मिट्टी की महक के साथ अपनी सांस्कृतिक चहल-पहल और मानवीय सरोकारों को बचाने की ओर नहीं ध्यान दिया तो फिर हम समझ सकते हैं।

सरकारों के तमाम दावों के बावजूद देश में नहीं सुधर रहे हैं सीवर सफाई कर्मियों के हालात

कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सीवर की सफाई करने वाली एजेंसी के पास सीवर लाइन के नक्शे, उसकी गहराई से सम्बंधित आंकड़े होना चाहिए। सीवर सफाई के काम में लगे लोगों की नियमित स्वास्थ्य की जांच, नियमित प्रशिक्षण देने के नियम का पालन होता कहीं नहीं दिखता है। देश में सीवर की सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने गत दिनों केन्द्र व सभी राज्य सरकारों को निर्देशित किया है कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजनों को 30 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सीवर की सफाई के दौरान स्थायी दिव्यांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। पीठ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो जाए। फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति भट ने कहा कि यदि सफाईकर्मी अन्य दिव्यांगता से ग्रस्त है तो अधिकारियों को उसे 10 लाख रुपये तक का भुगतान करना होगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी भी किए। पीठ ने निर्देश दिया कि सरकारी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वय करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं न हों और इसके अलावा उच्च न्यायालयों को सीवर से होने वाली मौतों से संबंधित मामलों की निगरानी करने से न रोका जाए। कोर्ट का यह फैसला एक जनहित याचिका पर आया है। प्रतिबंध के बावजूद आज भी भारत में गंदी नालियों और सेप्टिक टैंकों की सफाई इंसानों द्वारा हाथों से की जाती है। सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि पिछले पांच सालों में इस तरह की सफाई करने के दौरान 347 लोगों की मौत हो गई। लोक सभा में सामाजिक न्याय मंत्रालय से पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्रालय ने माना है कि भारत में इंसानों से गंदे नालों और सेप्टिक टैंकों को साफ करवाने की प्रथा अभी भी जारी है और इसमें सैकड़ों लोगों की जान जा रही है। मंत्रालय ने बताया कि इस खतरनाक काम को करने के दौरान 2017 में 92, 2018 में 67, 2019 में 116, 2020 में 19, 2021 में 36 और 2022 में 17 सफाई कर्मियों की जान जा चुकी है। देश के 18 राज्यों के आंकड़े मंत्रालय के पास हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक इन पांच सालों में इस तरह की सफाई के दौरान सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 51 लोग मारे गए। उसके बाद तमिलनाडु में 48 लोग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 44 लोग, हरियाणा में 38 लोग, महाराष्ट्र में 34 लोग और गुजरात में 28 लोग मारे गए हैं। लेकिन लोगों का कहना है कि सीवर में मरने वालों की संख्या सरकारी आंकड़ों से कई गुना अधिक है। इस प्रथा को बंद करने की मांग करने वाले लोगों का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में आज भी गंदे नालों और सेप्टिक टैंकों की सफाई इंसानों से करवाई जाती है। सीवर सफाई के दौरान हादसों में मजदूरों की दर्दनाक मौतों की खबरें आती रहती हैं। अधिकांश जगह आज भी मजदूर सीवर की बिना मास्क, ग्लब्स और सुरक्षा उपकरणों के सफाई करते हैं। सीवर की सफाई करने वालों की मौत होने के साथ ही उन पर निर्भर परिवार भी बेसहारा हो जाता है। परिवार की आमदनी का जरिया अचानक से बंद हो जाता है। देश में जाम सीवर की मरम्मत करने के दौरान प्रतिवर्ष दम घुटने से काफी लोग मारे जाते हैं।

राजस्थान: 50 साल के कांग्रेस नेता अमीन कागजी ने हिंदू लड़की से की दूसरी शादी कहा–नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोली है

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5050

		9	4	7			3	6
				8			2	9
	1		2				5	7
7	6							
		1				6		
							1	5
6	9				1		4	
8	2			5				
1	4			6	9	7		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5049

6	5	7	4	2	3	1	8	9
8	1	4	9	5	6	2	7	3
3	9	2	1	8	7	4	5	6
5	4	6	8	7	2	3	9	1
7	8	1	3	9	4	6	2	5
2	3	9	5	6	1	7	4	8
4	2	5	6	1	8	9	3	7
9	6	3	7	4	5	8	1	2
1	7	8	2	3	9	5	6	4

वर्ग पहेली 5050

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2001 को इस भारतीय तत्कालीन प्रधानमंत्री ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया (सिर्फ नाम)(6)
6. माला, मोती, [illegible] (3)
7. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जिसका मान आठ रत्ती के बराबर होता है (2)
8. [illegible] (5)
10. [illegible] (2)
12. शास्त्रीय संगीत में उपयोग आने वाला सितार की तरह एक वाद्य (4)
14. [illegible] (2)
15. बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य (2)
16. जो दिन बीत रहा है (2)
17. जनसमूह (3)
18. आग की लपट (1)
19. एक प्रशंसा सूचक शब्द (2)
20. त्रुटि, दोष (2)
21. [illegible] (2)
22. वायु द्वारा उत्पन्न (3)
23. [illegible] (2)

(ऊपर से नीचे)

1. हिंदुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जहां बर्फ से बने शिवलिंग का दर्शन होता है (5)
2. लगातार घंटे बजने का शब्द (2)
3. [illegible] (3)
4. प्राचीनकाल का [illegible] (5)
5. उम्मीद (2)
7. घी में तला एक प्रकार का मीठा पकवान (4)
9. दिवस (2)
11. [illegible] (5)
13. ताजमहल के निर्माण में प्रयुक्त होने वाला संगमरमर इस प्रदेश से लाया गया था (4)
15. वे भाई जो कौशल्या में छोटे हों (4)
21. पश्चिमी अफ्रीका का देश जिसकी राजधानी अकरा है (2)

वर्ग पहेली 5049 का हल

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]			[illegible]		[illegible]
[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]		[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
		[illegible]	[illegible]		[illegible]		[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

बेटियों के जन्म से लेकर विवाह तक की चिंता भाजपा सरकार ने की

भाजपा प्रत्याशी यशपालसिंह सिसोदिया का मंदसौर नगर में जनसम्पर्क जारी

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की भाजपा सरकार ने सभी वर्ग के कल्याण का कार्य किया है। बहनो को लाडली बहना बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है। बेटियों को सशक्त बनाया है। उनके जन्म से लेकर विवाह तक की चिंता मप्र की भाजपा सरकार करती है। किसानों को सम्मान निधी भाजपा की सरकार देती है। युवाओं के लिए सीखों कमाओं योजना भाजपा की सरकार लाती है, युवाओं को रोजगार भाजपा की सरकार देती है, हर व्यक्ति को आवास की गारंटी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देते है। हर वर्ग के लिए भाजपा ने कोई ना कोई योजना लागू की है। भाजपा की सरकार ने ही देश और प्रदेश के साथ मंदसौर विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगिण विकास किया है। मंदसौर को महानगरों की तर्ज पर सज्जित किया जा रहा है।

यह बात मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी यशपालसिंह सिसोदिया ने कही। वे मंदसौर नगर के वार्ड क्रमांक 18, 23, 24, 25 में जनसंपर्क करते हुए आमजन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान भाजपा के अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उनके साथ थे।

जनसम्पर्क के दौरान संवाद करते हुए भाजपा प्रत्याशी यशपालसिंह सिसोदिया ने कहा कि भाजपा की सरकार हर वर्ग की चिंता करती है। मंदसौर में स्वच्छ पेयजल नलों के माध्यम से मिल सके इसके लिए अत्याधुनिक फिल्टर प्लांट की मंदसौर में स्थापना की गई। बारिश के दिनों में मंदसौर के प्रमुख व्यवसाईक क्षेत्र सम्राट मार्केट, धानमंडी क्षेत्र में जलभराव नहीं हो इसके लिए अत्याधुनिक पंप हाउस भाजपा की सरकार ने बनाऐ है। अत्याधुनिक कलेक्ट्रेट भवन का निर्माण भाजपा ने किया है। परिवहन विभाग का सर्वसुविधायुक्त कार्यालय भाजपा की सरकार ने बनाया है। हर क्षेत्र में विकास के काम भाजपा की सरकार ने किए है। श्री सिसोदिया ने कहा मंदसौर के कोने-कोने में विकास भाजपा ने किया है। खेल सुविधाओं को बढावा भाजपा की सरकार ने दिया है, बीस बरस पहले मंदसौर में बच्चों के खेलने के लिए कहीं भी सुविधा नहीं थी लेकिन भाजपा सरकार ने नूतन ग्राउण्ड को संवारा, हॉकी का एस्टोटर्फ बनाया। गांव-गांव में खेल सुविधाऐ दी, ग्राउण्ड बनाऐ। शिक्षा के क्षेत्र में विकास किया, चिकित्सा के क्षेत्र में भाजपा की सरकार ने विकास किया जिसके कारण आज मंदसौर किसी से भी कम नहीं है। श्री सिसोदिया ने कहा कि विकास का यह सिलसिला टूटे नहीं इसके लिए जरूरी है जनता का सहयोग और साथ चाहिऐ।

सार्वजनिक स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया, कैलाश पोरवाल के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एफएसटी 04 श्री प्रेमचंद गुप्ता द्वारा बताया गया कि कैलाश पोरवाल द्वारा सार्वजनिक स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। कार्यक्रम में करीब 100 लोग एकत्रित थे। शिकायत मिलने पर आयोजन कर्ता कैलाश पोरवाल से उक्त कार्यक्रम को आयोजित करने के संबंध में सक्षम अधिकारी से प्राप्त अनुमति के बारे में पूछने पर अनुमति के संबंध में कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। कैलाश पोरवाल द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए बिना अनुमति सार्वजनिक स्थल पर अधिक संख्या में लोग एकत्रित करके कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसलिए उनके विरूद्ध भादसं की धारा 188 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण जिला चिकित्सालय रेफर अस्पताल बना-जैन

वार्ड नं. 39 में कांग्रेस प्रत्याशी विपिन जैन ने जनसम्पर्क किया

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी श्री विपिन जैन ने मंदसौर नगर के वार्ड क्रमांक 39 में जनसम्पर्क कर आमजन से आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री जैन का जनसम्पर्क गांधी नगर स्थित शीतला माता मंदिर परिसर से प्रारंभ हुआ। श्री जैन ने गांधी नगर, मेघदूत नगर, यश नगर, कर्मचारी कॉलोनी में सघन जनसम्पर्क कर मतदाताओं से कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनाने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान कार्यकर्ताओं ने आमजन के बीच प्रदेश कांग्रेस के 11 वचन भी दोहराये एवं योजनाओं के फोल्डर का वितरण भी किया गया।

जनसम्पर्क के दौरान श्री जैन ने कहा कि भाजपा के 15 वर्ष के शासन में मंदसौर का जिला चिकित्सालय रेफर चिकित्सालय बन गया है। यहां चिकित्सक नहीं है, मशीने है तो वह धूल खा रही हैद्ध उन्हें चलाने वाले नहीं है। यहां के जनप्रतिनिधि की उदासीनता के चलते चिकित्सालय में मरीजों को उपचार नहीं मिल पा रहा है और वह महंगे नर्सिंग होम में जाने को मजबूर है।उन्होंने मतदाताओं से कहा कि आपका आशीर्वाद मिलने पर वह जिला चिकित्सालय में इलाज व्यवस्थाओं को सुदृढ करेंगे। प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनायेंगे। प्रदेश के नागरिकों के लिये वरदान स्वास्थ्य बीमा योजना प्रारंभ करेंगे। जिसमें परिवार सहित 25 लाख तक की स्वास्थ्य बीमा एवं 10 लाख का दुर्घटना बीमा शामिल रहेगा। इस अवसर पर कांग्रेस के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी श्री जैन के साथ थे।

सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो

साइकिल रैली निकाल कर मतदाताओं को किया जागरूक

गरोठ, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र 227 में निर्वाचन हेतु अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है 9 नवंबर गुरुवार को तहसील कार्यालय गरोठ से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए रैली निकाली गई जिसका शुभारंभ तहसीलदार प्रियंका मीमरोट नायब तहसीलदार शामगढ सोनिका सिंह मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र मेहता महिला बाल विकास अधिकारी रीना झीजोरिया ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भगवान सिंह चौहान के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया।

रैली में अधिकारियों और कर्मचारी एवं स्कूल के छात्रों के द्वारा बैनर तले निकाली गई। सारे काम छोड दो सबसे पहले वोट दो के नारे लगाए गए और मत दाताओं को जागरूकता का संदेश देकर जागरूक किया गया जो नगर के प्रमुख मार्ग बस स्टैंड गांधी चौक बोलिया रोड शामगढ रोड सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा नया बस स्टैंड होते हुए वापस तहसील कार्यालय पहुंची जहां पर समापन हुआ । रैली में प्रवीण व्यास प्राचार्य श्याम लोधा खुशबु बागडिया, शोभा धमानिया, मंजू गुप्ता, रामनारायण जाटव ,नगर परिषद कर्मचारी सर्वज्ञ शर्मा, भूपेंद्र सिंह चंद्रावत, नितेश चंदेल ओमप्रकाश कोयल, श्यामलाल पाटीदार आदि उपस्थित थे ।

वोट देकर सशक्त और मजबूत सरकार का गठन करें

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सी.एम. राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुर्जरबर्डिया में विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा विधानसभा चुनाव 2023 में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए गाँव में रैली निकाली गई। विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान हो इसके लिए मतदाताओ को विभिन्न चुनावी नारों से जागृत किया गया। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा प्रभावशाली नुक्कड़ नाटिका प्रस्तुत की गई तथा ग्रामवासियों को मतदान हेतु जागृत करने के लिए शपथ दिलाई गई कि ग्रामवासी मतदान दिवस के दिन मतदान अवश्य करे । वोट देना आपका अधिकार है । आप अपने अधिकार का उपयोग कर एक सशक्त और मजबूत सरकार का गठन करे। रैली में कक्षा 6 से कक्षा 12 वी तक विद्यार्थियों और विद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित थे।

केंद्रीय विद्यालय के हॉकी खिलाड़ी आरव का एसीजीएफआई के लिए केवी इंडिया टीम में चयन

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। रांची झारखंड में आयोजित कवि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्टप्रदर्शन के आधार पर केंद्रीय विद्यालय मंदसौर के हॉकी खिलाडी आरव तिवारी का

केंद्रीय विद्यालय संगठन की टीम में चयन हुआ यह टीम एसजीएफआई में कवि इंडिया के नाम से खेलेगी ज्ञात रहे की के. वि. इंडिया टीम संपूर्ण भारत के केंद्रीय विद्यालय के खिलाडियों से चयन करके बनाई गई टीम होती है। केंद्रीय विद्यालय के खेल प्रशिक्षक मंगल बैरागी ने बताया कि के. वी. नेशनल में आरव ने भोपाल रीजन का प्रतिनिधित्व किया था वह इस प्रतियोगिता में भोपाल रीजन ने ब्रोंज मेडल जीता था। भोपाल रीजन से एकमात्र हॉकी खिलाडी का चयन कवि इंडिया के लिए किया गया केंद्रीय विद्यालय के हॉकी खिलाडी आरव का एसी.जी.एफ.आई. के लिए के.वी. इंडिया टीम में चयन रांची झारखंड में आयोजित के के. वी. राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर केंद्रीय विद्यालय मंदसौर के हॉकी खिलाडी आरव तिवारी का केंद्रीय विद्यालय संगठन की टीम में चयन हुआ यह टीम एसजीएफआई में केंद्रीय विद्यालय इंडिया के नाम से खेलेगी ज्ञात रहे की के. वि. इंडिया टीम संपूर्ण भारत के केंद्रीय विद्यालय के खिलाडियों से चयन करके बनाई गई टीम होती है। यह जानकारी हॉकी मंदसौर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया एवं कोच अविनाश उपाध्याय ने दी। केंद्रीय विद्यालय मंदसौर की प्राचार्य निलांजनी प्रसाद का इस उपलब्धि में बहुत बडा योगदान है, खिलाडी की इस उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा, जिला हॉकी सचिव अविनाश उपाध्याय, कोच दिनेश यादव, रवि कोपरगावकर, शैलेंद्र मसीह, वैभव चौरसिया, मित चौहान, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र बोराना, सीनियर खिलाडी अंकित मंडोरा, शासकीय महाविद्यालय खेल अधिकारी राजू कुमार, अब्दुल रज्जाक, आदि ने बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रांगोली प्रतियोगिता के माध्यम से किया जा रहा मतदाताओं को जागरूक

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के तहत उत्कृष्ट स्कूल की बालिकाओं द्वारा जिला पंचायत मंदसौर में रंगोली बनाई गई। रंगोली के माध्?यम से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। महिलाएं रंगोली बनाकर संदेश के रूप में हम सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख रही है। यह कार्य महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य में मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रूचि ली जा रही है। साथ ही सभी लोग आपस में जागृत हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं।

डीलर रैक पहुंचाने में ज्यादा देरी करता है तो कार्यवाही का प्रस्ताव भेजें-कमिश्नर

कमिश्नर ने ईवीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन कमिश्नर श्री संजय गोयल ने पीजी कॉलेज स्थित ईवीएम स्ट्रांग रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों की जा रही कमिश्रिंग कार्य को देखा। इसके साथ ही उन्होंने मतगणना स्थल का भी निरीक्षण किया। मतगणना स्थल पर कहां-कहां पर मत पेटियां रखी जाएगी। कहां पर मतगणना होगी आदि व्यवस्थाओं को देखा। स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल के बारे में कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने विस्तार से जानकारी प्रदान की। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान, मंदसौर तथा मल्हारगढ के रिटर्निंग अधिकारी मौजूद थे।

खाद के संबंध में सभी अधिकारियों की बैठक संपन्न

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन कमिश्नर श्री संजय गोयल ने खाद के संबंध में समीक्षा बैठक जिला पंचायत में ली। बैठक के दौरान निर्देश देते हुए कहा कि रैक टाइम से जिले में पहुंचे। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए। अगर कोई डीलर रैक को लाने में ही बहुत ज्यादा समय लगा रहा है तो उसके विरुद्ध कार्यवाही के लिए प्रस्ताव शासन को भेजें। डीलर के द्वारा ट्रक से जो खाद भेजा जा रहा है। उसमे विशेष तौर पर यह ध्यान रखे की पहला ट्रक कब आया एवं अंतिम ट्रक कब आया। इस समय बैठक के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान, सहकारी बैंक, कृषि विभाग, विपणन विभाग से जुडे अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

के अंदर को देखें। खाद विक्रय केंद्रों को कैश कलेक्शन के लिए ट्रेजरी की सुविधा दी जाए। बैंक वालों से बात की जाए जिससे कैश जमा करने में आसानी रहे। कैश को हैंडल करने के लिए भी एक अलग से कर्मचारी लगाया जाए। सभी केंद्रों पर सर्वर का थोडा बहुत समस्या रहती है, इसलिए किसानों को समझाएं। अगर सर्वर में समस्या है तो थोडी देर से खाद मिलेगी लेकिन खाद जरूर मिलेगा। खाद से जुडे विभाग किसानों को सही फीडबैक प्रदान करें। नीमच रैक आज सुबह मंदसौर जिलों को प्राप्त हुई है। वहीं चंबल रैक कल सुबह दलोदा आ जाएगी। जिससे आगामी दिनों में खाद को लेकर कोई भी समस्या नहीं रहेगी।

जिले में मतदाता पर्ची वितरण का कार्य जारी

नीमच, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतदाताओं की सुविधा के लिए आयोग व्दारा मतदाता पर्ची वितरण मतदाताओं से बीएलओ के माध्यम से किया जा रहा है। जिले में बीएलओ व्दारा मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदाता पर्ची वितरण का कार्य जारी है। आफीसर्स कॉलोनी के बीएलओ श्री श्यामलाल परमार ने गुरूवार को कलेक्टर दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ गुरूप्रसाद के निवास पर जाकर उन्हें मतदाता पर्ची प्रदान की।

नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने, न्यायिक अधिकारियो के साथ बैठक सम्पन्न

नीमच, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार नीमच जिले में 9 दिसम्बर 2023 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लक्षित समस्त श्रेणी राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण किया जाना है। लोक अदालत को सफल बनाने के लिए बुधवार को प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष श्री सुशांत हुद्दार एवं सचिव जिला प्राधिकरण श्री विजय कुमार सोनकर द्वारा जिले के समस्त न्याय के साथ ऑफलाईन एवं ऑनलाईन माध्यम से अध्यक्ष महोदय के विश्राम कक्ष में बैठक आयोजित की गई।

जिले के समस्त न्यायालयों द्वारा उक्त नेशनल लोक अदालत में निराकरण हेतु विभिन्न प्रकृति के लंबित राजीनामा योग्य प्रकरण को गये। उक्त संबंध में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं द्वारा न्यायाधीशगणो से चर्चा में बताया, कि लंबित प्रकरणों में समझौते की सम्भावना को देखते हुये पक्षकारों को सूचना पत्र जारी किये जायें। समझौता योग्य प्रकरणों में पेशी पर आने वाले पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण से होने वाले लाभ के बारे में। अवगत कराये। संबंधित प्रकरणों में यदि आवश्यक हो, तो प्रीसिटिंग मीटिंग का आयोजन किया जाये, पक्षकारों के हितों को प्राथमिकता दी जाये। उक्त आयोजित बैठक में जिला एवं तहसील मुख्यालय से समस्त न्यायाधीशगण द्वारा सहभागिता की गई। उल्लेखनीय है, कि 9 दिसम्बर 2023 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय नीमच सहित तहसील मुख्यालय मनासा, जावद एवं रामपुरा में भी किया जा रहा है।

प्रेक्षक जावले एवं कलेक्टर जैन ने विधानसभा वार ईव्हीएम, व्हीव्हीपीएटी मशीनों के कमीशनिंग कार्य का जायजा लिया

नीमच, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत विधानसभावार ईव्हीएम, व्ही व्हीपीएटी मशीनो के कमीशनिंग कार्य का शासकीय पीजी कालेज नीमच में विधानसभावार अलग-अलग कक्षों में अवलोकन किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक श्री किशन नारायणराव जावले एवं प्रेक्षक श्रीमती जे.विजययारानी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने गुरूवार को शासकीय पीजी कॉलेज नीमच में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किए जा रहे कमीशनिंग कार्य का अवलोकन किया और कमीशनिंग कार्य को पूरी गंभीरता से करने के निर्देश दिए।

इस प्रशिक्षण में कमीशनिंग मशीनों को मतदान केन्द्रवार जमाने, कमीशनिंग में उपयोग होने वाली सामग्री उपलब्धता, कमीशनिंग दल की बैठक व्यवस्था , मतदान पत्रों पर रिटर्निंग आफीसरों के हस्ताक्षर, आवश्यक सहायक सामग्री, मतदान यूनिट की तैयारी, विधानसभावार उम्मीदवारों की संख्या, नई बैटरी, पेपर रोल लगाने, सिम्बल, लोडिंग, नियंत्रण यूनिट की तैयारी आदि कार्यो के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर डॉ.राजेश पाटीदार एसडीएम डॉ.ममता खेडे, श्री राजकुमार हलदर भी उपस्थित थे।

जिला न्यायालय में संगोष्ठी एवं विधि विद्यार्थियों हेतु कैरियर कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रसारित वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2023-24 के अनुपालन में एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री अजीत सिंह के मार्गदर्शन में दिनांक 09/11/2023 को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर भवन के सभागृह में संगोष्ठि एवं कैरियर कार्यशाला एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अजीत सिंह द्वारा मॉ सरस्वती की चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अपने उद्बोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अजीत सिंह ने व्यक्त किया की आज ही के दिन यानी 09 नवम्बर, 1995 को विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम भारत में लागू हुआ था, इसलिये पूरे भारत में आज के दिन के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस, प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तालुका स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक आमजन को विधिक सहायता प्रदान करने हेतु कार्य किया जा रहा है। आपने कार्यक्रम में उपस्थित विधि महाविद्यालय के छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि आप विधि के क्षेत्र में कार्य करने आ रहे है, तो आपके उपर इस बात की महती जवाबदारी है कि आप अपने आस-पास ऐसे निर्बल लोग, जिन्हें विधिक सहायता की आवश्यकता है, उनकी मदद करें। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्री अजय कुमार सिंह ने विधिक सेवा प्राधिकरण के उद्देश्यों की चर्चा करते हुये विधिक प्राधिकरण के महत्व को समझाया। अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह पंवार ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि समाज में आम व्यक्ति को न्याय मिले इसके लिये अभिभाषक संघ, मंदसौर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सदैव तैयार एवं तत्पर है। चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री प्रमोद कुमार मेनारिया ने विधिक सहायता के मर्म को समझाया। इसके पश्चात आयोजित कार्यशाला में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री हर्ष सिंह बहरावत ने विधि के क्षेत्र में सम्भावना एवं व्यक्तित्व विकास पर विधि महाविद्यालय मंदसौर के विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के पश्चात विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में यातायात जागरूकता से संबंधित पेम्पलेट शहर के विभिन्न चौराहों पर वितरित किये गए। इस अवसर पर न्यायायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, पैरा लीगल वालेन्टियर्स एवं बडी संख्या में विधि विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सहायता अधिकारी प्रवीण कुमार द्वारा किया गया तथा आभार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश हर्ष सिंह बहरावत ने माना।

फैंसी और डिजाइनर दीपक की बाजार में बढ़ी मांग

लाईटिंग की दुकानें सजी, रांगोली व मेहंदी की दुकाने भी लगी

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दीपावली के त्यौहार को देखते हुए शहर में दियों का बाजार सज चुका है। इन दिनों सजावट की विभिन्न चीजों से बाजार सजा हुआ है। दीवाली में कपडे, मेंहदी, रंगोली के अलावा लाइटिंग पर विशेष फोकस किया जाता है। हर साल की तरह इस बार भी लाइटिंग के लिए कई तरह के प्रोडक्ट मार्केट में देखने को मिल रहे हैं। इन सबके बीच पानी से जलने वाले दीपक लोगों को काफी आकर्षित कर रहे हैं। महंगाई के दौर में लोग तेल के खर्चे से बचते हुए पानी से चलने वाले दीपक को लेकर उत्सुकता दिखा रहे हैं। इसके अलावा टेरेकोटा और डिजाइनिंग दीपक भी मार्केट में देखने को मिल रहे हैं।

कारोबारी शैलेन्द्रसिंह राठौर के अनुसार दिल्ली, इंदौर और अहमदाबाद से दिवाली पर सजावट व इलेक्ट्रीक का सामान लाकर पिछले कई सालों से मंदसौर में बेच रहे हैं। उन्होंने कहा, इस बार मार्केट में पानी वाले दीपक धूम मचा रहे हैं। लोग इन दियो को काफी ज्यादा खरीद रहे हैं। मार्केट में एक दीपक 20-25 रुपए की कीमत पर बिक रहा है।

इस तरह जलता है पानी वाला दीपक...

पानी वाले इस आर्टिफिशियल दीपक में तीन सेल लगे हुए हैं। पानी डालते ही दीपक जलने लगता है और जैसे ही पानी को हटाया जाता है तो दीपक बुझ जाता है। शहर में दीवाली की शॉपिंग करने पहुंची प्रियंका ने बताया कि उन्हें पानी वाले दीये कुछ अलग लगे और उन्होंने खरीदने का मन बना लिया। उन्होंने कहा, नॉर्मल दीपक में काफी ज्यादा तेल लग जाता है, ऐसे में पानी वाले दीये बेस्ट हैं। बता दें, ये दीपक सेंसर की मदद से काम करता है, जिस कारण इसे वॉटर सेंसर दीपक कहा जाता है।

मिट्टी के साथ टेराकोटा के दीपक की भी डिमांड...

व्यापारियों के अनुसार बाजार में देसी मिट्टी और टेराकोटा के दीये बिक रहे हैं। टेराकोटा का दीया कम तेल पीता है। इसीलिए मार्केट में इसकी डिमांड बढ़ रही है। इसके अलावा कवेलू मिट्टी से बने दीयों को बाहर से मंगवाकर व्यापारी बेच रहे हैं। साथ ही डिजाइन वाले मिट्टी के दीयों की डिमांड भी देखने को मिल रही है। बाजार में मिट्टी के कई आकृतियों में बने दीये दिखाई दे रहे हैं। इनमें हाथी, कछुआ, चरण और घर के आकार में बने दीये लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। साधारण दीये जहां 20 रुपए दर्जन बिक रहे हैं। वहीं 250 रुपए तक के डिजाइनर दीये बाजार में उपलब्ध हैं। इसके अलावा जेल और मोम से बने दीये भी बाजार में देखने को मिल रहे हैं।

दीपावली व लग्नसरा : सोने-चांदी में तेजी का दौर

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सोना-चांदी की चमक वैसे तो हर दौर में रही है और निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद क्षेत्र है। यही कारण है कि पांच दिवसीय दीपोत्सव से पहले पिछले साल के मुकाबले चांदी ने सबसे ज्यादा 20.56 प्रतिशत तो सोने ने 16.05 प्रतिशत रिटर्न दिया है। पिछली धनतेरस के दो दिन पहले सोने का भाव 51 हजार 800 रुपए प्रति 10 ग्राम था जो आज 61 हजार 700 रुपए पर पहुंच गया है। इस तरह देखा जाए तो सालभर में खरीदार ने शुद्ध रूप से 9 हजार 900 रुपए रिटर्न प्राप्त किया है। वहीं चांदी 57 हजार रुपए प्रतिकिलो थी जो आज 71 हजार 750 रुपए के भाव बिक रही है। चांदी में अपने सबसे ज्यादा 14 हजार 750 रुपए प्रतिकिलो का रिटर्न प्राप्त किया है। सराफा व्यापारियों के अनुसार अब भाव में तेजी ही रहेगी।

सराफा बाजार में सोना-चांदी के भावों में उतार-चढ़ाव के बीच सालभर में तेजी ही रही है। इस साल सोना 63 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा था तो चांदी 73 हजार रुपए प्रतिकिलो तक पहुंची थी। इस माह सोना 62 हजार रुपए तो चांदी 72 हजार रुपए के आस-पास बनी हुई थी। सराफा व्यापारियों के अनुसार मामूली उतार-चढ़ाव के साथ फिलहाल भाव तेजी लिए ही रहेंगे। अब दाम इससे कम होना फिलहाल मुश्किल है। दीपावली के बाद लग्नसरा के मुहूर्त शुरू होने से मांग बरकरार रहेगी। ऐसे में भाव कम होने की उम्मीद कम है। सराफा व्यापारियों के मुताबिक सामान्यत: सोना-चांदी के भाव में हर साल रिटर्न मिलता ही है। पिछले साल दीपोत्सव से इस साल की तुलना करे तो दोनों ही प्रमुख धातुओं ने अच्छा रिटर्न दिया है। इसके पीछे मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर महंगाई दर बढ़ने के साथ विश्व स्तर पर सेंट्रल बैंकों की रुचि सोना-चांदी लेवाली में बढी और जो हालात बनते गए उससे निवेशकों के साथ लोगों को भी खरीदी के प्रति रुझान बढ़ा है। मांग बढ़ने के कारण ही इस साल इतना अच्छा रिटर्न सोना-चांदी ने दिया है। अब इससे भाव कम होने की संभावना कम ही है। यह जरूर है कि भाव में तेजी जरूर रहेगी।

दीपावली पर्व पर डेक्स्टर ग्लोबल स्कूल में प्रतियोगिता का आयोजन

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दिपावली पर्व के उपलक्ष्य में डेक्स्टर ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया। जिसमें विद्यालय की जुनियर कक्षाओ जिनमे प्ले ग्रुप से लेकर युकेजी तक के नन्हें कलाकारों द्वारा दीया मेकिंग / दीया डिजाइनिंग की गतिविधि में भाग लिया गया तथा कक्षा तीसरी से पांचवी तक दीवाली क्राफ्ट गतिविधि करवाई गई। वही विद्यालय कीं सीनियर कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें कक्षा छूटी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक रंगोलियाँ बनाई गई। साथ इसके ही विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों कुछ राशि एकत्रित की गई। जिसका उपयोग द्वारा जरूरतमंद परिवारों को दैनिक आवश्यकताओं की सामग्री एवं दीपक वितरण हेतु किया गया सभी को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी।

नीमच में बोले मोदी-कांग्रेस को 100 साल तक तरसाईये

इन्होंने भ्रष्टाचार का किला खड़ा किया, भगवान राम को काल्पनिक बताया

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नीमच में चुनावी सभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा, कांग्रेस ने एक तरफ भ्रष्टाचार का किला खडा किया, दूसरी तरफ भगवान राम को भी काल्पनिक बता दिया था। कांग्रेस के पास विजन के नाम पर विरोध और विभाजन है। जबकि, भाजपा राज्य के विकास से देश के विकास पर काम कर रही है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और मध्यप्रदेश में एक बार फिर भाजपा सरकार का आह्वान किया।

पीएम ने कांग्रेस को राष्ट्रविरोधी बताते हुए भ्रष्टाचार करने वाली पार्टी बताया। इतना ही नहीं उन्होंने ये भी कहा कि कांग्रेस कई राज्यों से साफ हो चुकी है जिसकी वजह कांग्रेस की मानसिकता

है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी से भी ज्यादा गारंटी मध्यप्रदेश के नागरिकों की है, जिन्होंने भाजपा की सरकार बनाने की गारंटी दी है। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने लाखों लोगों का जीवन बदला है इसलिए मध्यप्रदेश का ऐसा कोई कोना नहीं है जहां का हर नागरिक पूरा एमपी एक स्वर से कह रहा है एमपी के मन में मोदी और मोदी के मन में एमपी। उन्होंने कहा कि नीमच का हमारे स्वतंत्रता संग्राम में अहम योगदान है और नीमच के फुटबॉल प्रेम को तो पूरा देश जानता है। यहां की मिट्टी के कण कण में राष्ट्र जुटता के संस्कार हैं। कांग्रेस देश की इस मिट्टी को धोखा देने का काम कर रही है। सत्ता के लालच में कांग्रेस ने हमेशा समाज को बांटने का काम किया है। फूट डालो और राज करो की नीति पर कांग्रेस चली है। कांग्रेस की कूनीति से देश में आतंक और अराजकता का ऐसा कालखंड गुजरा कि आजादी के समय राष्ट्र निर्माण का जो जज्बा था वो कांग्रेस ने एक परिवार की भक्ति में कुचल कर रख दिया है।

दलौदा पतंजलि चिकित्सालय में महिला चिकित्सक की हुई नियुक्ति

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सभी बीमारियों का स्थाई समाधान योग और आयुर्वेद को ध्यान में रखकर दलौदा में जैन मंदिर के पास मह्-नीमच रोड पर न्यू पतंजलि चिकित्सालय की स्थापना होकर क्षेत्र का एकमात्र महिला पतंजलि चिकित्सालय संस्था पतंजलि हरिद्वार योग ग्राम वेलनेस से अधिकृत होकर प्रशिक्षित कुशल एवं अनुभवी चिकित्सक ओर योग प्रशिक्षक डॉ. पूजा सिसोदिया बीएएमएस द्वारा प्रतिदिन नि: शुल्क चिकित्सा परामर्श दिया जायेगा।

पतंजलि योग संगठन जिला प्रभारी बंशीलाल टांक ने बताया कि क्षेत्र के सभी योग आयुर्वेद प्रेमियों के लिए हाल ही में दलौदा में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी पूज्य स्वामी डॉ. परमार्थ देव जी द्वारा दलोदा को पतंजलि चिकित्सालय की सौगात प्रदान की गई अब यहा प्रतिदिन पतंजलि योगपीठ योगग्राम की महिला चिकित्सक डा. पूजा सिसौदिया बीएएमएस द्वारा थायराइट्, मधुमेह ,स्त्रीरोग,उच्च रक्तचाप, निम्न रक्तचाप, हृदय रोग ,मोटापा, अस्थमा, गैस, कब्ज, एसिडिटी, कमर दर्द, सर्वाइकल, तंबाकू सिगरेट शराब छुडवाना,वजन बढाने के लिए ,किडनी की समस्या, पथरी की बीमारी ,नजर तेज करना, हार्ट अटैक ,याददाश्त बढाना, बाल गिरना,स्पॉन्डिलाइटिस, एलर्जी, दमा, अस्थमा ,माइग्रेन डिप्रेशन, जोड़ों का दर्द आदि असाध्य रोगों के निवारण व बचाव हेतु पतंजलि संस्था के कुशल एवं अनुभवी चिकित्सक द्वारा निशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया जाएगा। चिकित्सालय एवं योग प्रशिक्षण कार्य का संचालन भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी महेश कुमावत द्वारा किया जा रहा है।

हाईवे पर अनियंत्रित ट्रक ढाबे में घुसा

हादसे में एक महिला सहित तीन की मौत, ट्रक चालक फरार

पिपलिया मंडी, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बरखेड़ा पंथ के पास बीती रात एक अनियंत्रित ट्रक सडक़ किनारे ढाबे में घुस गया। इस हादसे में एक महिला सहित तीन लोगो की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। मल्हारगढ थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात करीब 10 बजे बरखेड़ा पंथ गांव के निकट फोरलेन सडक़ पर ट्रक अनियंत्रित होकर ढाबे में घुस गया।इस हादसे में ढाबे मे बैठे ओम प्रकाश पिता फकीरचंद 32 साल निवासी कुचडोद और एक महिला काली बाई पति रूपलाल मीणा उम्र 45 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ढाबा संचालक लालचंद पिता रामलाल मोंगिया उम्र 22 वर्ष निवासी बरखेड़ापंथ गंभीर रूप से

घायल हो गया।जिसे एम्बुलेंस सहायता से मंदसौर के बड़े अस्पताल भेजा गया। गुरूवार दोपहर में उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसे के बाद मल्हारगढ पुलिस ने ट्रक को जप्त कर लिया, वहीं ट्रक चालक फरार है। जिसकी तलाश की जा रही है। मामले में मल्हारगढ पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ धारा 279, 337 और 304 के तहत मामला दर्ज किया।

जानबूझ कर दिया दुर्घटना को अंजाम...

बताया जा रहा हैं कि हादसे से पहले ट्रक चालक का ढाबा संचालक से किसी बात को लेकर विवाद भी हुआ था। विवाद के बाद ट्रक चालक ने जानबूझकर घटना को अंजाम दिया था। हालांकि इसकी पुष्टिपुलिस ने नहीं की। मामले में मल्हारगढ टीआई राजेन्द्र पंवार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। जांच में जो मामला सामने आया। उसके मुताबिक, धाराएं बढा दी जाएंगी।

निर्माणाधीन मकान में घुसा मगरमच्छ

नारायणगढ़, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के काल्याखेड़ी गांव में एक निर्माणाधीन मकान में गुरुवार सुबह एक मगरमच्छ घुस आया। घर में मगरमच्छ की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठी हो गई। मौके से गांव वालों ने वन विभाग को सूचित किया। करीब 1 घंटे में वन अमला मौके पर पहुंच गया और मगरमच्छ को रेस्क्यू कर गांधीसागर में छोड़ने ले गए।

जानकारी के अनुसार काल्याखेडी गांव में प्रभुलाल गुर्जर के निर्माणाधीन मकान में भारी भरकम मगरमच्छ घुस आया। ग्रामीणों के अनुसार मकान का रिकंसट्रक्शन कार्य किया जा रहा था। निर्माणाधीन मकान में दरवाजे नहीं होने से मगरमच्छ आसानी से किचन तक पहुंच गया और गेस स्टोव पर बैठ गया। घर की महिलाएं जब सुबह चाय बनाने किचन तक पहुंची तो मगरमच्छ को देख घबरा गई। इसके बाद आस पड़ोस के लोगो को बुलाया। किचन में मगरमच्छ होने की खबर गांव में फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना पर वन अमला मौके पर पहुंचा और मगरमच्छ को रेस्क्यू कर चंबल नदी में छोडा।

मतदान दल कर्मियों को निर्वाचन संबंधी नियमों एवं प्रक्रिया का ज्ञान होना आवश्यक

मतदान दल कर्मियों का द्वितीय प्रशिक्षण सम्पन्न

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत 17 नवंबर को जिले में होने वाले मतदान के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार जिले के शासकीय महाविद्यालय एवं कुशाभाउ ठाकरे आडिटोरियम में जिले की चारों विधानसभा क्षेत्र में मतदान कराये जाने हेतु मतदान दलों में संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारियों- पीठासीन एवं अन्य प्रथम, द्वितीय, तृतीय दलकर्मियों का प्रशिक्षण जिले के दक्ष एवं कुशल प्रशिक्षको एवं मास्टर ट्रेनरों द्वारा दो पालियों में प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं।

प्रशिक्षण में बताया गया कि में मतदान कराये जाने हेतु मतदान दल कर्मियो को मतदान की प्रक्रिया एवं आयोग द्वारा जारी किये गये नियमों का ज्ञान होना आवश्यक हैं। जिससे कि आदर्श आचार संहिता का पालन करतें हुए मतदान प्रकिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराया जा सकें। प्रशिक्षण में मतदान दल कर्मियो को ईवीएम, व्ही.व्ही.पैट मशीन, वेलिट यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट के संचालन की प्रक्रिया से अवगत कराया एवं मतदान से पूर्व मॉकपोल कराये जाने के निर्देश दिये। प्रशिक्षण में मतदान कराये जाने हेतु सामग्री वितरण के बारे में बताया गया कि पीठासीन अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं मतदान सामग्री उसी केन्द्र की हो, जिसके लिए वह निर्धारित है। मतदान सामग्री को संग्रहित करते समय धैर्य के साथ शिष्टता पूर्वक व्यवहार करते हुए सामग्री प्राप्त करें प्रशिक्षण में मतदान बुथ पर व्यवस्था, सुचनाओं का प्रदर्शन, मोकपोल, मतदान प्रांरभ एवं समापन, मतदान का मिलान, मतदान समापन के बाद ईवीएम और वीवीपैट को सील करना, मतदान समाप्ति के बाद सामग्री को सील करना, ईवीएम और वीवीपैट के प्रबंधन इत्यादी के बारे में विस्तार से बताया गया एवं इनके संचालन की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में मतदान दलकर्मियों को निर्वाचन संबंधित नियम-कानून एवं निर्वाचन प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी दी गई और विशेष रूप से कहा गया कि मतदानकर्मी निर्वाचन की गंभीरता को समझते हुए सभी कर्मचारी निष्पक्षता से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। प्रशिक्षण में प्रत्येक मतदान दल कर्मियों के मतदान हेतु विधानसभा क्षेत्र अनुसार फेसिलिटेशन सेंटर खोले गये है जिसमें प्रत्येक मतदान दलकर्मियों ने डाक मतपत्र के माध्यम से अपना मतदान किया।

निर्वाचन पाठशाला में मतदाताओंकी दी जानकारी

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। निर्वाचन पाठशाला प्रभारी डॉ. सुनीता गोधा द्वारा बताया गया कि देश में प्रजातंत्र को मज़बूत बनाने के लिए मंदसौर जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही है। डाइट परिसर में निर्वाचन पाठ शाला संचालित की जा रही है। मतदाता शिक्षा, मतदाता जागरूकता का प्रचार प्रसार एवं मतदाता की जानकारी निर्वाचन पाठशाला में दी जा रही है।

निर्वाचन पाठशाला में युवा मतदाता, बुजुर्ग मतदाता, महिला मतदाता, मतदान कार्य से जुडे कर्मचारी आकर निर्वाचन की प्रक्रिया को समझ रहे हैं। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बालागंज स्कूल, उत्कृष्ट विद्यालय, महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 आदि में कार्यरत कर्मचारियों ने निर्वाचन पाठशाला में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान प्राप्त किया। मास्टर ट्रेनर श्रीमती अलका अग्रवाल, श्री अजय चेलावत, श्री दिलीप मुजावदीया द्वारा प्रतिदिन पाठशाला में उपस्थित होने वाले कर्मचारियों एवं युवा मतदाताओं से शत प्रतिशत मतदान की अपील की जा रही है।

मतदाता जागरूकता की साइकिल रैली का हुआ आयोजन

मंदसौर, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता की साइकिल रैली गांधी चौराहा से निकाली गई। साइकिल रैली को स्वीप के सहायक नोडल श्री पीसी चौहान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल रैली गांधी चौराहा से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, घंटाघर, नयापुरा रोड होते हुए महाराणा प्रताप से श्रीकोल्ड चौराहा से पीजी कॉलेज ग्राउंड में रैली का समापन हुआ। रैली में जिलाधिकारी, कर्मचारी, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उत्कृष्ट स्कूल, शासकीय नूतन स्कूल, रेड क्रॉस, एनसीसी के छात्र-छात्राएं एवं खिलाडी उपस्थित थे। रैली के समापन पश्चात खेल अधिकारी श्री देवडा ने मतदान की शपथ दिलाई गई।''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे ।

तीन आरोपी जिला बदर

नीमच, 9 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डोधिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 के तहत तीन आरोपियों को 6-6 माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। आरोपी प्रकाश पिता बालु बंजारा निवासी ग्राम तलाउ थाना कुकडेश्वर, आरोपी आवेश पिता सलीम उर्फ चुम्मारखान निवासी माधवगंज मोहल्ला नीमच सिटी थाना नीमच सिटी एवं आरोपी शोभाराम पिता भंवरलाल निवासी बरखेडा थाना कुकडेश्वधर को 6-6 माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। उक्त तीनो आरोपी जिला बदर अवधि में नीमच जिले की राजस्वध सीमा तथा समीपवर्ती मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन, देवास एवं आगर-मालवा जिले की राजस्व सीमा में जिला बदर अवधि में प्रवेश नहीं कर सकेगें।

घर में घुस बदमाश ने महिला... पेज 1 से जारी

में लगाया। इसके बाद महिला की आंखों में मिर्ची डाल दी। महिला चिल्लाई तो पड़ोसी वहां आ गए। तब तक बदमाश भाग चुका था। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और सीसीटीवी कैमरे खंगाले। जिसमें पता चला कि बदमाश पशुपतिनाथ विहार होता हुआ इंदिरा कालोनी की तरफ गया था। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

चार लोगों को थाना... पेज 1 से जारी

1 एवं 16 तारीख को संबंधित पुलिस थाना में उपस्थिति देकर यह सुनिश्चित कराये की वह किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में संलग्न नहीं है।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28-07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in